लैपटॉप संगीत

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में छात्रों का लैपटॉप पर काम करते दिखना आम बात है। लेकिन अपनी किस्म के पहले प्रिंस्टन लैपटॉप ऑर्केस्ट्रा (पीएलऑर्क) में शामिल छात्र नेटवर्क से जुड़ी अपनी एप्पल पावरबुक्स का इस्तेमाल संगीत का सृजन करने के लिए करते हैं। अप्रैल में प्रिंस्टन परिसर में पीएलऑर्क के पहले सार्वजनिक प्रदर्शन में मशहूर तबलावादक जाकिर हुसैन ने भी शिरकत की। वह कहते हैं कि यह अनुभव ऐसा था ''जैसे कि आप उड़ रहे हों।''

''एक वक्त मैं अकेला ही बजा रहा था, इसलिए सिर्फ साज की सहज आवाज थी। अचानक मैंने अपने साथियों की ओर देखा और उनके सुर भी तबले के साथ जुड़ने लगे और वहां से सारे साज नई ही शै में बदलने लगे।'' न्यू जर्सी पब्लिक टेलिविजन एंड रेडियो से बात करते हुए उस्ताद ने बताया, ''पहचान ही बदल गई-जैसे बोतल खुली हो, जिन्न बाहर आया हो और साज ऐसे लगने लगे जैसे कि आवाज बन गए हों।''

पीएलऑर्क आर्केस्ट्रा संगीतकार और संगीत के प्रोफेसर डैन ट्रूमैन और प्रिंस्टन विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान और संगीत के प्रोफेसर पेरी आर. कुक के दिमाग की उपज है। डैन बताते हैं, ''पीएलऑर्क की शुरूआत पिछले पतझड़ के मौसम में ही हुई ...ज़ाकिर के साथ प्रस्तुति देने से हमारी शुरूआत बहुत ऊंचे स्तर से हुई। वह बहुत उत्साह से शामिल हुए और उन्होंने हमें कई रचनात्मक सुझाव भी दिए।'' संगीत के विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में प्रिंस्टन आए जाकिर हुसैन ने भारतीय संगीत के *लहरा* से प्रेरित *पीलहरा* प्रस्तुत किया।

पीएलऑर्क के हर सदस्य के पास लैपटॉप, सिक्स स्पीकर हब, एक ऑडियो इंटरफेस, पावर यूनिट और छह चैनलों वाला एंप्लीफायर होता है। वह उसमें कीबोर्ड, ग्राफिक पैड या अपनी कलाइयों से जुड़े मोशन-एक्टिवेटेड सेंसर भी जोड़ लेते हैं।

पीएलऑर्क प्रिंस्टन के कंप्यूटर साइंस के शोध छात्र गे वांग की लिखी एक नई संगीत भाषा - चक- का प्रयोग करता है। आर्केस्ट्र संचालक के संकेत टेक्स्ट मेसेजिंग, परंपरागत बैटन को हिलाने, छपे हुए निर्देशों या संकेत भाषा के माध्यम से दिए जाते हैं। वाद्य बजाने के तरीके बहुत अलग हो सकते हैं और हर संगीत रचना के साथ बदलने वाली ध्वनियां भी अनोखी ही हैं। ट्रूमैन बताते हैं,'' कुछ रचनाएं सुरीली, लयबद्ध हैं, यहां तक कि उन पर नाचा जा सकता है; जबकि कुछ अन्य रचनाएं एक खास वक्तव्य का तानाबाना रचती हैं।''

पीएलऑर्क का इरादा अवांगार्द प्रयोग करते रहने का है। डैन कहते हैं, ''पीएलऑर्क के पीछे मुख्य प्रेरणा ऐसे संगीत की खोज थी जिसकी कल्पना तक लैपटॉप ऑर्केस्ट्रा के बिना न की जा सके।'' उनकी इच्छा अनोखे स्वर रचते रहने और ऐसे साज और संगीत रचनाएं तैयार करने की है जो प्रस्तुति देने वालों के छक्के छुड़ा दें। वह कहते हैं कि इन्हें बजाने में मजा आएगा और ये चुनौती भरे होंगे और उन्हें ''बजाए जाते देखना भी मजेदार होगा।''

- दीपांजली काकाती

फोटोग्राफ: सौरव हैबोरा